मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी

भावे लख दा जोर लावे दुनियादारी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

ओहदे दर ते झुक्दे शीश बड़े सोदागरा दे
मेरा जोगी बेड़े बदल दिंदा महा सागरा दे,
ओहदी बंजरा विच ऊगा दिंदा फुलवाड़ी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

मेरी अपनी बन के लोह जगमा ते ठगिया सी
मैं डोलिया नि सी क्यों की नाथ नाल लागियां सी,
ओहदा चिमटा सारी चाड दिंदा हुश्यारी जी,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

धर्म वीर मोहरा बाबा जी ने लाइयाँ ने ,
ओहदे कमले दिया भी जग दे विच वाडयाइयाँ ने,
मेरे कलाकारी दी कला ही बहुत न्यारी जी ,
मेरी पीठ न लगन देवे पौणाहारी जी,

Source: https://www.bharattemples.com/meri-pith-na-lagan-deve-paunahaari-ji/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw